राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 03 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 260, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह एक प्रेरक व्यक्तित्वः आई ए एस प्रशिक्षक...03

चार दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न...04

कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी... नए साल पर मौसम ने दिखाए कई रंग, पहाड़ों से मैदानों तक सर्दी का सितम

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठंड और बढ़ा दी है. नए साल पर दिल्ली के पालम और मुंबई में बारिश भी हुई. कश्मीर में बर्फबारी ने पर्यटकों का दिन बना दिया लेकिन स्थानीय लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा. दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट और 'अत्यंत खराब' त्त्ह्व दर्ज किया गया

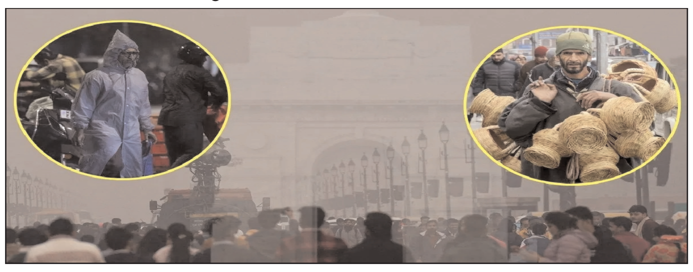

पहाड़ों से लेकर मैदानों तक सर्दी सितम ढा रही है. दिल्ली में नए साल की शुरुआत सर्द और बादलों से घिरे मौसम के साथ हुई. न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. पालम में हल्की बारिश हुई. सुबह साढ़े आठ बजे पालम में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, रिज में 9.9, लोधी रोड में 10, आयानगर में 10.3 और सफदरजंग में 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा. पालम और सफदरजंग में सुबह करीब साढ़े सात बजे विजिबिलिटी 500 मीटर रही. आईएमडी का कहना है कि न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना के चलते 3 जनवरी से ठंड बढ़ सकती है.

दिल्ली का एक्यूआई अत्यंत खराब श्रेणी में बना रहा. सीपीसीबी के अनुसार, सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई 371 दर्ज किया गया. सीपीसीबी के मुताबिक, 28 केंद्रों पर एक्यूआई बहुत खराब रहा. जबकि 8 स्टेशन में ये गंभीर श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया. सोनिया विहार में सबसे खराब एक्यूआई 420 रहा।

8 साल में पहली बार AQI में सुधार

दिल्ली ने 2025 में वायु प्रदूषण के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है. बीते 8 साल में पहली बार हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया. PM2.5 का औसत स्तर 96 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और PM10 का स्तर 197 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो हाल के वर्षों में सबसे कम है.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में दिल्ली में 200 दिन ऐसे रहे जब एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 200 से नीचे रहा. यह पिछले सालों की तुलना में करीब 15 प्रतिशत बेहतर है. वहीं 79 दिन ऐसे रहे जब त्त्ह्व 100 से नीचे यानी अच्छी या संतोषजनक श्रेणी में रहा. गंभीर प्रदूषण (AQI 400 से ऊपर) वाले दिन घटकर सिर्फ 8 रह गए, जो अब तक का सबसे कम आंकड़ा है।

अगले दो-तीन दिन ऐसा रहेगा राजस्थान का मौसम

पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण पिछले 24 घंटे में राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. आईएमडी के अनुसार, जोधपुर, जयपुर, अजमेर, बीकानेर और भरतपुर रीजन में बारिश हुई. इसमें बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ में सबसे ज्यादा 26 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

अगले दो-तीन दिन राज्य के बड़े हिस्से में घना और कहीं पर बहुत घना कोहरा छा सकता है. इससे कुछ जगह विजिबिलिटी 100 मीटर से नीचे गिर सकती है. कोहरे के कारण दिन के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है. चार से छह जनवरी के बीच शेखावाटी के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

कश्मीर घाटी में बर्फबारी

कश्मीर घाटी में नए साल का आगाज बर्फबारी के साथ हुआ. गुलमर्ग, पहलगाम और सोनमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर हुई बर्फबारी गुरुवार सुबह तक जारी रही. इससे बड़ी संख्या में जश्न मनाने वाले लोग वहां पहुंचे. इसके अलावा गुरेज की तुलेल घाटी, कुपवाड़ा के माछिल व साधना टॉप, बांदीपोरा के राजदान टॉप और जोजिला दर्रे में भी ताजा बर्फबारी दर्ज की गई।

पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने की वजह से कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है. मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को भी कुछ जगह हल्की वर्षा या बर्फबारी हो सकती है. ताजा बर्फबारी के बावजूद कश्मीर घाटी में तापमान सामान्य से 1.2 से 6.3 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है।

मुंबई के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई

मुंबई के कई हिस्सों में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई. अचानक बदले मौसम ने लोगों को हैरान कर दिया. कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा, किसने सोचा था 2026 के पहले ही दिन बारिश होगी. बारिश बेमौसम जरूर हुई लेकिन शहर का मौसम खुशनुमा हो गया भुवनेश्वर के बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण विमान सेवाएं बाधित रहीं. एक अधिकारी ने बताया, सुबह करीब साढ़े छह बजे रनवे पर विजिबिलिटी कम होने की वजह से कई उड़ानों को डाइवर्ट किया गया तो कई उड़ानों में देरी हुई. इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

अब हर मौसम में सफर होगा आसान, जम्मू में 51 वें रेजिंग डे पर BRO ने दिखाया रोडमैप, 18 नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की शुरुआत

● सीमा सड़क संगठन (BRO) के प्रोजेक्ट संपर्क ने गुरुवार को अपना 51वां रेजिंग डे पूरे उत्साह और गौरव के साथ मनाया. रेजिंग डे के मौके पर सीमा सड़क संगठन (BRO) ने 18 नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शुरू किए. इनमें 2 अहम रणनीतिक सड़कें और 16 पुल शामिल हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीमा सड़क संगठन (Border Roads Organisation) के प्रोजेक्ट संपर्क ने गुरुवार को अपना 51वां रेजिंग डे पूरे उत्साह और गौरव के साथ मनाया. पिछले 50 से ज्यादा वर्षों से भी अधिक समय से यह प्रोजेक्ट जम्मू क्षेत्र में सेना और आम लोगों के लिए सड़क संपर्क बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है. इस दौरान प्रोजेक्ट संपर्क ने देश सेवा और सीमावर्ती इलाकों के विकास के लिए काम जारी रखने का संकल्प दोहराया।

रेजिंग डे के मौके पर सीमा सड़क संगठन (BRO) ने 18 नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शुरू किए. इनमें 2 अहम रणनीतिक सड़कें और 16 पुल शामिल हैं. इसके साथ ही 4 महत्वपूर्ण सुरंगों (टनल) पर भी काम किया गया, जिससे दूर-दराज इलाकों में हर मौसम में पहुंच आसान होगी. सीमा सड़क संगठन (BRO) के मुताबिक, पिछले पांच दशकों से जम्मू में लगातार काम हो रहा है. इस समय BRO प्रोजेक्ट संपर्क 101 सड़कों (1,523 किमी) का रखरखाव कर रहा है, जबकि 242 बीआरडीपी सड़कों (3,840 किमी) पर कार्य जारी है।

33 सड़कें और 73 पुल निर्माणाधीन

प्रोजेक्ट संपर्क मुगल रोड, अखनूरपूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-144A) और बनीबसोहलीभद्रवाह सड़क जैसी महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी संभाल रहा है. बीते एक वर्ष में 19 सड़क परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है. वर्तमान में लगभग 1,600 किलोमीटर लंबी 33 सड़कें और 73 पुल निर्माणाधीन हैं।

BRO कई चुनौतियों के बीच लगातार कर रहा काम

सीमा सड़क संगठन (BRO) के अधिकारियों के मुताबिक, क्लाउडबर्स्ट, भूस्खलन, हिमस्खलन और फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित कार्रवाई कर सड़क संपर्क बहाल करने में प्रोजेक्ट संपर्क ने अपनी दक्षता साबित की है. इसके लिए सेना और प्रशासन की ओर से कई बार इसकी सराहना भी की जा चुकी है. पहाड़ी और बेहद दुर्गम इलाकों में काम करने वाला प्रोजेक्ट संपर्क खराब मौसम, लगातार भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी चुनौतियों के बावजूद साल भर सड़कों को चालू रखने का कार्य करता है. इससे सीमावर्ती इलाकों में सेना की आवाजाही और रसद आपूर्ति निर्बाध बनी रहती है।

संक्षिप्त ख़बरें

डाक्टर सतीश चंद्र कनौजिया की प्रमुख अधीक्षक (SIC) के रूप में नई पारी की शुरुआत

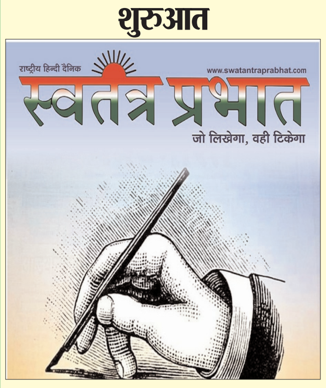

आजमगढ़। जिला मण्डली चिकित्सालय में प्रमुख अधीक्षक (एसआईसी) के रूप में डॉ. सतीश चंद्र कनौजिया ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के अवसर पर अस्पताल परिसर में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. सतीश चंद्र कनौजिया ने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर, पारदर्शी एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा मरीजों के साथ संवेदनशील और मानवीय व्यवहार पर विशेष जोर दिया।

डॉ. कनौजिया ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यभार संभालने के पश्चात उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दिल्ली में टीचर्स को कुत्तों की गिनती के नहीं दिए आदेश, किसने फैलाई गलत खबर? अब पुलिस लेगी एक्शन

दिल्ली में आवारा कुत्तों की गिनती से जुड़े मामले में अब पुलिस की एंट्री हो गई है. दरअसल इस मामले को लेकर दिल्ली शिक्षा निदेशालय की निदेशक वेदिथा रेड्डी ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी है. उनका दावा है कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में आवारा कुत्तों का मामला अब बड़ा बनता जा रहा है. इसे लेकर दिल्ला शिक्षा निदेशालय ने एक्शन लिया है. उन्होंने इस पूरे मामले में कथित फर्जी खबर फैलाने का आरोप लगाते हुए सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी है. निदेशालय ने इस खबर को फैलाने वाले सोशल मीडिया हैंडल पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है

दिल्ली शिक्षा निदेशालय की निदेशक वेदिथा रेड्डी ने कहा कि टीचर्स से आवारा कुत्तों की गिनती को लेकर कभी कोई निर्देश जारी नहीं किया गया था. ये आम राजनैतिक आलोचना नहीं बल्कि शिक्षा विभाग को सोची समझी साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है. उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. निदेशक वेदिथा रेड्डी ने कहा कि ऐसा कोई आदेश कभी जारी ही नहीं किया गया. इस मामले में कुछ सोशल मीडिया हैंडल के जरिए फर्जी खबर फैलाई गई है

आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों में नोडल ऑफिसर किए नियुक्त

दरअसल, शिक्षा निदेशालय की केयरटेकिंग ब्रांच ने एक सर्कुलर जारी किया था, जिसमें सभी स्कूलों, स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से कहा गया कि वे आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त करें और उनके नाम, पद, संपर्क नंबर व ईमेल की जानकारी जमा करें. सरकार ने बताया कि यह कदम जन सुरक्षा और सुप्रीम कोर्ट के 7 नवंबर 2025 के आदेश का पालन करने के लिए उठाया गया है. उस आदेश में स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने और इसके लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त करने का निर्देश था

फील्ड सर्वे करने का कोई काम नहीं सौंपा

निदेशालय ने स्पष्ट किया कि टीचर्स को

कुत्तों की गिनती करने या फील्ड सर्वे करने का कोई काम नहीं सौंपा गया. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने इस सर्कुलर की गलत व्याख्या कर इसे फेक न्यूज बना दिया, जिससे भ्रम फैल गया. इस पूरे मामला का शिक्षक संघों ने भी विरोध किया, यह मानते हुए कि यह अतिरिक्त गैर-शैक्षणिक काम है, लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया कि यह केवल प्रशासनिक समन्वय तक सीमित है

जम्मू-कश्मीरः किश्तवाड़ में सिलेंडर ब्लास्ट होने से कई घरों में लगी आग, लोगों में फैली दहशत

● जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के दाछन इलाके में स्क्क्ल गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने पर भीषण आग लग गई. किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर पंकज शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन ने मौके पर फायर सर्विस टीमों को भेजा है. सेना और पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के दाछन इलाके में LPG गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने पर भीषण आग लग गई. देखते ही देखते आग ने आधा दर्जन घरों को अपनी चपेट में ले लिया. घटना के दौरान इलाके में अफरातफरी के साथ लोगों में दहशत फैल गई. बताया जा रहा है कि पहाड़ी इलाका होने की वजह से दमकल की गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंच पाई।

स्थानीय लोगों ने ही हिम्मत कर आग पर कुछ हद तक काबू पाया. घटना की सूचना मिलते ही किश्तवाड़ पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए और हालात पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया. पुलिस ने बताया कि दाछन इलाके में सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से घरों में आग लगी है. गनीमत रही है आग से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है. जान-माल की हानि नहीं हुई है. पुलिस ने बताया कि दमकल के साथ स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की है. जिन लोगों को घर जल गए, उन्हें सुरक्षित जगहों पर रखा गया है.

सेना ने अन्य घरों से हटाए LPG सिलेंडर

किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर पंकज शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन ने मौके पर फायर सर्विस टीमों को भेजा है. सेना और पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं. अभी तक की जांच में आग में 4-5 घरों के जलने की बात सामने आई है. घरों में रखा ज्यादातर सामान जलकर राख हो गया. उन्होंने कहा कि मौके पर दो नायब तहसीलदार भेजे गए हैं, और आगे नुकसान को रोकने के लिए आस-पास के घरों से LPG सिलेंडर सुरक्षित रूप से हटा दिए गए हैं।

28 अगस्त को भी सिलेंडर में हुआ था ब्लास्ट

जम्मू और कश्मीर के किश्तवार में ही 28 अगस्त को एक सिलेंडर में भीषण ब्लास्ट हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई. यह घटना अस्तनबाला इलाके में हुई, जिसमें पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम चार लोग घायल हुए थे. आग लगने के बाद मदद करते समय एक व्यक्ति भी घायल हो गया था. बताया कि अक्सर किश्तवाड़ के इन इलाकों में सिलेंडर ब्लास्ट की ये घटनाएं होती रहती हैं।

बी पैक्स धान क्रय केंद्र सैदापुर, कस्ता और में धान खरीद घोटाला का आरोप

केंद्र प्रभारी और राइस मिलर सहित बिचौलियों की मिलीभगत से बिना तौल किए कागजों पर सैकड़ो कुंतल धान खरीद किए जाने का मामला

सैदापुर बी पैक्स क्रय केंद्र पर ए . डी. ओ कोऑपरेटिव के संरक्षण में हो रहा धान खरीद घोटाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी जनपद खीरी में सरकारी धान खरीद को लगे बी पैक्स क्रय केंद्र सैदापुर के केंद्र प्रभारी और राइस मिलर तथा आढतियों और धान खरीद की निगरानी को लगे ए . डी.ओ.कोऑपरेटिव के संरक्षण में लाखों करोड़ों का धान खरीद घोटाला किया जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला विकासखंड फुलबहड़ के अंतर्गत आने वाली साधन सहकारी समिति सैदापुर में संचालित बी पैक्स के केंद्र का है जहां धान खरीद घोटाला के इस काले सच पर लगाम लगा पाने में ए आर कोऑपरेटिव रजनीश कुमार सिंह पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बी पैक्स क्रय केंद्र सैदापुर पर राइस मिलों और बिचौलियों के साथ साठ गांठ करके बिना तौल किए रोजाना सैकड़ो कुंटल धान की खरीद किए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। किसानों का आरोप है कि सैदापुर क्रय केंद्र पर नियम कानून और मानकों को ताक पर रखकर जमकर फर्जी वाडा करके धान खरीद के जादू आंकड़ों की बाजीगरी का खेल किया जा रहा है।

सूत्र बताते हैं अक्सर इस केंद्र पर सन्नाटा पसरा रहता है और केंद्र प्रभारी साहब हमेशा नदारत रहते हैं इसके बावजूद कागजों पर धान खरीद रोज हो जाती है। तो आखिर यह खरीदा गया धान किसका है और यह धान कहां स्टाक किया गया है ?अहम सवाल बना हुआ है इस धान खरीद की कराई जाए निष्पक्ष जांच तो भारी भ्रष्टाचार आएगा सामने और धान खरीद घोटाला की तस्वीर भी सामने आएगी ।कुछ केंद्र प्रभारी और विभागीय अन्य सूत्रों ने नाम न छापने के शर्त पर बताया किसान तो अपना धान बहुत पहले ही राइस मिलरो और आढतियों के हाथों आने-पौने दाम बेच चुका है ।अब वही धान किसानों के कागज अंगूठा लगाकर क्रय केदो पर खरीदा जा रहा है ।धान की तौल धान मिलो में होती है क्रय केंद्र पर तो अंगूठा बेचा जा रहा है। गोपनीय सूत्रों के अनुसार

इस क्रय केंद्र पर धान नहीं तौला जाता है केवल कागज और अंगूठा खरीद कर धान खरीद कागजों पर की जाती है। इस खेल की जानकारी ए आर कोऑपरेटिव ए आर एम ओ सहित जिला प्रशासन को भी है। लेकिन कोई भी सक्षम अधिकारी इस भ्रष्टाचार की जांच करने की जहमत नहीं उठा पा रहा है या फिर जानबूझकर उठाना नहीं चाहता है। सूत्र बताते हैं इस भ्रष्टाचार और फर्जी वाडा के खेल में 700 से ?800 प्रति कुंतल और फिर ट्रांसपोर्टिंग और वरदाना आदि के नाम पर अर्जित आय का तय शुदा बड़ा हिस्सा ऊपर तक पहुंचता है शायद यही कारण है कि किसी भी सक्षम और जिम्मेदार अधिकारी के कान पर जू नहीं रेंग रहा है ।यदि खरीद और स्टाफ का कर लिया जाए भौतिक सत्यापन तो धान खरीद में हुए भ्रष्टाचार का खुलासा सामने आएगा ।अब देखना यह है कि ए आर कोऑपरेटिव द्वारा मामले की जांच कराई जाती है या फिर भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे सैदपुर के केंद्र प्रभारी को यूं ही अभयदान चलता रहेगा। फिलहाल मामले की मुख्यमंत्री पोर्टल पर और डी . आर.कोऑपरेटिव से शिकायत कर धान प्रक्रिया में की गई धांधली की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई है और धान खरीद में घोटाला करने के लिए चर्चित क्रय केंद्र बी पैक्स कस्ता और बी पैक्स क्रय केंद्र सैदापुर के प्रभारी के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की भी मांग की गई है। इतना ही नहीं धान क्रय केंद्र पर धान खरीद की निगरानी को नामित ए . डी.ओ.कोऑपरेटिव द्वारा धान खरीद में की जा रही धाधाली करने वालों को संरक्षण देने वाले ए. डी . ओ कोऑपरेटिव के विरुद्ध भी जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

नल से ज़हर, मंच से पुरस्कार— यही है विकास का सच?

[नलों से बहती मौत और फाइलों में बहती सफ़ाई]

[तमगों के नीचे दबती ज़िंदगियाँ: इंदौर की चुप चीख]

मध्यप्रदेश का इंदौर शहर, जिसे वर्षों से देश की स्वच्छता राजधानी कहा जाता रहा है, आज एक ऐसी पीड़ा का प्रतीक बन गया है जिसने इस तमगे की सच्चाई पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिस शहर को 'स्वच्छ भारत अभियान' का आदर्श मॉडल बताया जाता है, वहीं भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से लोगों की जान जाना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था की गहरी विफलता का प्रमाण है। पानी, जिसे जीवन का आधार माना जाता है, जब वही मृत्यु का कारण बन जाए तो यह पूरे तंत्र के लिए आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। चमकती सड़कों, पुरस्कारों और प्रशस्ति पत्रों के पीछे छिपी यह सच्चाई आज सामने आ चुकी है कि स्वच्छता का अर्थ केवल दिखावा बनकर रह गया है। एक ओर शहर की छवि चमकाई जाती रही, दूसरी ओर नलों से ऐसा पानी बहता रहा जो नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हुआ। यह त्रासदी केवल कुछ घरों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक मॉडल पर प्रश्नचिह्न है। इस घटना की जड़ें अचानक नहीं उभरीं, बल्कि वर्षों की उपेक्षा और लापरवाही में छिपी हैं। जानकारी के अनुसार जल आपूर्ति व्यवस्था में सीवेज का पानी मिल गया, जिससे संक्रमण फैला और बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े। यह केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि सतत निगरानी के अभाव का नतीजा है। नगर व्यवस्था जिन पाइपलाइनों के सहारे लाखों लोगों को पानी पहुंचाती है, उनकी नियमित जांच और मरम्मत अनिवार्य होनी चाहिए थी, लेकिन इसे लगातार टाला गया। परिणाम यह हुआ कि एक सामान्य परिवार का सदस्य, जिसने रोज़ की तरह नल से पानी पिया, अस्पताल के बिस्तर तक पहुंच गया। किसी घर में बुजुर्ग की हालत बिगड़ी, कहीं महिलाएं और बच्चे उल्टी-दस्त से जूझते दिखे। अस्पतालों में अफरा-तफरी मच गई। यह दृश्य उस शहर के लिए शर्मनाक है जो खुद को जल प्रबंधन में अग्रणी बताता है। सवाल उठता है कि जब प्रमाणपत्र और दावे मौजूद थे, तो ज़मीनी हकीकत इतनी भयावह कैसे हो गई? यह त्रासदी प्रशासनिक जवाबदेही की कमजोर कड़ी को भी उजागर करती है। घटना के बाद कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। जब किसी व्यवस्था की लापरवाही से नागरिकों की जान जाती है, तो जिम्मेदारी केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह सकती। पूरी श्रृंखला की जवाबदेही तय होनी चाहिए। नगर प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व, जिनके अधीन जल आपूर्ति तंत्र संचालित होता है, उनकी भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। यह पहली बार नहीं है जब दूषित पानी की शिकायतें सामने आई हों। पहले भी अलग-अलग इलाकों से ऐसी चेतावनियाँ आती रही हैं, लेकिन उन्हें या तो नजरअंदाज किया गया या अस्थायी मरम्मत कर मामला दबा दिया गया। यही लापरवाही धीरे-धीरे एक बड़े संकट का रूप लेती चली गई। स्वच्छता पुरस्कारों की चमक ने असली समस्याओं पर परदा डाल दिया और बुनियादी सेवाएं हाशिये पर चली गईं। इस पूरे मामले में एक गहरी सामाजिक असमानता भी स्पष्ट दिखाई देती है। अक्सर देखा गया है कि संपन्न इलाकों में फिल्टरयुक्त पानी, निजी टैंकर और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहती हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग पूरी तरह सरकारी आपूर्ति पर निर्भर होता है। जब वही आपूर्ति जहरीली बन जाती है, तो सबसे अधिक नुकसान इन्हीं वर्गों को उठाना पड़ता है। यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय भी है। स्वच्छता और सुरक्षित पानी यदि अधिकार हैं, तो वे सभी के लिए समान रूप से होने चाहिए। किसी शहर का मूल्यांकन उसकी सड़कों या रैंकिंग से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि उसका सबसे कमजोर नागरिक कितना सुरक्षित है। यदि गरीब बस्तियों में रहने वाले लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, तो किसी भी तरह का 'वाटर प्लस' का तमगा खोखला साबित होता है। इस घटना ने लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका पर भी गंभीर चर्चा छेड़ दी है। सवाल पूछना नागरिक का अधिकार है, अपराध नहीं। जब लोग अपने स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें विरोधी या साजिशकर्ता बताकर खारिज करना खतरनाक प्रवृत्ति है। शिकायत करना व्यवस्था को बेहतर बनाने की पहली सीढ़ी होती है। जिन इलाकों में यह हादसा हुआ, वहां पहले भी लोगों ने पानी की गुणवत्ता को लेकर चेतावनी दी थी, लेकिन उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब जब हालात बिगड़ चुके हैं, तब जांच समितियों और आश्वासनों की बाढ़ आ गई है। इतिहास गवाह है कि ऐसी समितियां अक्सर समय के साथ निष्क्रिय हो जाती हैं और दोषियों तक बात नहीं पहुंचती। पीड़ित परिवार मुआवजे के भरोसे छोड़ दिए जाते हैं, जबकि मूल समस्या जस की तस बनी रहती है। यह स्थिति प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है। सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर उठ रही आवाजें इस असंतोष का प्रतीक हैं। लोग सवाल कर रहे हैं, जवाब मांग रहे हैं और पारदर्शिता की अपेक्षा कर रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, बशर्ते इसे दबाने के बजाय सुना जाए। प्रशासन को आलोचना को चुनौती नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखना चाहिए। जब सवालों से डर पैदा होता है, तब यह संकेत मिलता है कि व्यवस्था के भीतर कुछ छिपाने की कोशिश हो रही है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहां सत्ता जवाब देने के लिए तैयार हो और गलतियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारने की इच्छाशक्ति रखे। अब समय आ गया है कि इस त्रासदी से ठोस सबक लिया जाए। केवल बयान, जांच और निलंबन पर्याप्त नहीं हैं। जल आपूर्ति प्रणाली का व्यापक और तकनीकी सुधार आवश्यक है। पाइपलाइनों की नियमित जांच, आधुनिक सेंसर आधारित निगरानी, समय-समय पर जल परीक्षण और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करना अनिवार्य होना चाहिए। नागरिकों को भी निगरानी प्रक्रिया में भागीदार बनाया जाए, ताकि शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो सके। 'वाटर प्लस' जैसे तमगे तभी सार्थक होंगे जब हर घर के नल से सुरक्षित और स्वच्छ पानी निकले। इसके साथ ही दोषियों पर कठोर और उदाहरणात्मक कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न जाए। यह घटना एक चेतावनी है कि अगर अब भी व्यवस्था नहीं सुधरी, तो ऐसी त्रासदियाँ दोहराई जाती रहेंगी। पानी पीकर मर जाना दुर्भाग्य नहीं, बल्कि एक गंभीर अपराध है, जिसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। नागरिकों का यह मौलिक अधिकार है कि वे बिना भय के पानी पी सकें और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें। इस अधिकार की रक्षा तभी संभव है जब सवाल पूछने की संस्कृति मजबूत हो, जवाबदेही सुनिश्चित हो और दिखावे की जगह वास्तविक सुधार को प्राथमिकता दी जाए। क्योंकि अंततः सवाल ही बदलाव की शुरुआत होते हैं, और चुप्पी केवल अन्याय को लंबा जीवन देती है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

कट्टरपंथी हमले भगदड़ नैतिक पतन की दांस्ता का दुस्वप्न था 2025

बीत रहे साल 2025 की शुरुआत से ही देश में कई बड़ी घटनाएं हुई जो बेहद खराब और मानवीय संवेदना को झकझोरती रहीं। जनवरी से लेकर दिसंबर तक देश ने एक के बाद एक ऐसे कई बड़े हादसे देखे जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। कुंभ भगदड़, पहलगाम हमला, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़, मुंबई ट्रेन दुर्घटना, कॉलेज भगदड़ अहमदाबाद हवाई जहाज़ दुर्घटना लालकिले के पास कार धमाका एक के बाद एक हादसा दिल दहलाने का काम कर्ता रहा। इन सभी घटनाओं में लगभग एक हजार लोग मारे गए और कई लोग बचे, जिनमें से कई लोग जिंदगी भर के लिए घायल हो गए और सैकड़ों लोगों के परिवार बर्बाद हो गए।देश की अस्मिता पर दुश्मन देशों के ईशारे पर आतंकी वारदातों धर्म पूछ कर हिन्दुओं का सामूहिक नरसंहार, कुम्भ के पुन्य स्नान पर्व पर तमाम इंतजामात के बावजूद दुर्घटना में अनेक बेगुनाहों की मौत महिलाओं बच्चों को पांवों से कुचलते हुए पुन्य कमाने की अभीप्सा का दंश भी देश ने झेला। वहीं 7 मई को आपरेशन सिंदूर शुरू हुआ जिसमें देश की सैना ने अपने पराक्रम से आतंकवादियों के सीमापार पाकिस्तान में स्थित ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। 4 जून को आइपीएल मैच की विजयी टीम के लिए कर्नाटक बेंगलुरु में मची भगदड़ में 11 फैन्स की मौत भी जख्म दे गयी। सितंबर 2025 में तमिलनाडु के करूर जिले में अभिनेता से नेता बने विजय की राजनीतिक रैली में मची भगदड़ में कम से कम 39 से 41 लोगों की मौत हो गई थी तमाम हादसों को देखने पर ऐसा लगता है कि मानो जिंदगी की कोई कीमत ही नहीं है। हर बड़ी घटना के बाद कुछ दिन तक दुःख जताना जांच कमेटी गठित करना जांच के आदेश पीड़ित परिवारों को मदद और फिर सब कुछ पिछले ढर्रे पर हो जाता है।हम कोई सबक क्यों नहीं लेते?

महाकुंभ को हिंदू धर्म में एक पवित्र उत्सव के रूप में मनाया जाता है और इस साल 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक कुंभ मेले में आयोजित होने वाले इस बार 66 करोड़ लोगों के स्नान का दावा किया गया । दरअसल इस बार के महाकुंभ को 144 साल बाद सबसे शुभ बताया गया, इस महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी, बुधवार को संगम तट के पास मौनी अमावस्या का आयोजन किया गया।इस मौके पर मची भगदड़ में करीब पचास श्रद्धालुओं की जान चली गई हालाकि विपक्षी दलों ने सैकड़ों लोगों के हताहत होने का दावा किया और सरकारी असफलता और बदइंतजामी का आरोप लगाया। अधिकारिक तौर पर इस दुर्घटना में तत्काल रिपोर्ट के अनुसार 30 से अधिक लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। घटना के 16 घंटे बाद प्रशासन ने इसकी पुष्टि की। कुम्भ के ही दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी 2025 को रात भगदड़ मची। इस बार लोग महाकुंभ के लिए जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। महाकुंभ जाने के लिए स्टेशन पर शाम 4 बजे से भीड़ उमड़ने लगी थी। रात को करीब 8:30 बजे 3 गाड़ियां रवाना हो गई, भीड़ भी बढ़ने लगी साथ ही गाड़ी का प्लेटफार्म बदलने से वहां भगदड़ मची मृतकों में दर्जनों महिलाएं और पुरुष कई बच्चे शामिल थे । इस भगदड़ में 25 से ज्यादा लोग भी घायल हो गए। दुर्घटना के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा और प्लेटफार्म बदलने से ओवरब्रिज पर यात्री एक-दूसरे पर गिर गए। भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। 12 साल बाद भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। 9 मार्च 2025 को दुबई में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से मात देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। मार्च 2025 में मेरठ में मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला ने मुस्कान के पति सौरभ राजपूत की हत्या कर शव को नीले ड्रम में सीमेंट से सील किया। केस की बेरहमी और नवंबर में मुस्कान ने जेल में बेटी को जन्म दिया। 22अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 पर्यटक मारे गए। हमला स्थानीय आतंकी समूह और पाकिस्तान समर्थित तत्वों द्वारा किया गया माना गया। इस घटना के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव बढ़ा और सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकियों को निशाना बनाकर कार्रवाई की 7 मई 2025 (ऑपरेशन सिंदूर) ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई 2025 की रात को हुई थी, जो 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में था, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए थे और यह 4 दिनों तक चला एक सैन्य संघर्ष था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा था गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून की दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया था। प्लेन सवार 241 लोगों की मौत हो गई। एक जीवित बचा है। मारे गए 241 लोगों में 169 भारतीय, 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। प्लेन जिस हॉस्टल बिल्डिंग से टकराया था, वहां से 29 शव मिले। 2 जुलाई 2025 को अपनी शादी के महज बारह दिन बाद राजा रघुवंशी अपनी नई दुल्हन सोनम के साथ हनीमून पर गया। सोनम का प्रेमी राज कुशवाहा के साथ अफेयर चल रहा था, जो कभी उनके फैमिली बिजनेस में काम करता था। शादी के तुरंत बाद, सोनम और राज ने राजा को मारने का प्लान बनाया। तीन किराए के आदमियों ने वेई सॉडोंग फॉल्स के पास राजा पर चाकू से हमला किया। उसकी बॉडी को खाई मे फेंक दिया था। 4 जून 2025, रविवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाली वाली आरसीबी की जीत की खुशी से पहले स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई। इसमें करीब 11 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मीडिया खबरों के मुताबित भगदड़ में 47 लोग घायल हो गए। एक बार फिर लोगों की जान चली गई और कुछ के परिवार बिखर गए। तमिलनाडु के करूर में शनिवार को अभिनेता-राजनेता विजय की रैली के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में 9 बच्चों और 17 महिलाओं सहित 39 लोगों की मौत हो गई। 25 सितंबर 2025 यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड रिसर्च के प्रबंधक चैतन्यानंद सरस्वती को यूपी के आगरा से गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस मामले में 32 से ज्यादा छात्राओं से पूछताछ की गई। इनमें से 17 छात्राओं ने स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर यौन उत्पीड़न, अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने, डराने और जबरन छूने जैसे आरोप लगाए हैं। 28 सितंबर 2025 को भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 9वीं बार एशिया कप खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम सबसे ज़्यादा एशिया कप खिताब जीतने वाली टीम भी है। भारत ने 28 सितंबर 2025 को दुबई में पाकि?तान को पांच विकेट से मात देकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम के पास अब तक टूर्नामेंट की ट्रॉफी हाथ नहीं लगी है। इसके पीछे हैंडशेक विवाद रहा है 2 नवंबर 2025 को भारतीय टीम ने पहली बार आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीता। 52 साल में पहली बार भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीतने में सफल हुई। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने 2 नवंबर 2025 को नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम पर साउथ अफ्रीका को 52 रन से मात देकर खिताब अपने नाम कियादिल्ली में 10 नवंबर के दिन के लाल किला के पास एक कार में धमाका हुआ, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और लगभग 27 से ज्यादा लोग घायल हुए। तीन शव इतने क्षत-विक्षत थे कि डीएनए से पहचान करनी पड़ी।

मृतकों में ज्यादातर स्थानीय दुकानदार और दूसरे शहरों से आए लोग थे। लाल किला के पास विस्फोट एक बड़े 'व्हाइट कॉलर' टेरर माड्यूल का हिस्सा, जो जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़ा था। विस्फोट इतना तेज था कि कार के पार्ट्स 42 जगह बिखर गए। इस घटना के तार अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े और धीरे-धीरे कश्मीर से लेकर नूह तक मिले। 24 नवंबर 2025 को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति महामहिम श्री व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 04-05 दिसंबर 2025 तक भारत के राजकीय दौरे पर रहे। कुल मिलाकर खट्टे मीठे अनुभव देकर 2025 विदा हो रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

कैलेंडर बदल गया, लेकिन जिंदगी जस की तस

नए साल का जश्न और वास्तविकता

जैसे ही हर साल 31 दिसंबर की रात आती है, भारत के हर कोने में रंग-बिरंगी लाइटें, आतिशबाज़ी और जश्न का माहौल फैल जाता है। सोशल मीडिया पर 'हैप्पी न्यू ईयर' के संदेशों की भरमार रहती है, और बाजारों में खरीदारी और पार्टी की तैयारियाँ देखने लायक होती हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल तारीख बदलने से हमारी जिंदगी बदल जाती है?

जश्न की सतही खुशी

साल 2025 में भारत में नए साल पर आतिशबाज़ी, पार्टी और सेल के कारण लगभग 1,500 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। विशेषज्ञ बताते हैं कि यह खुशी केवल क्षणिक होती है। वास्तव में खुशियों का स्तर हमारे मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, न कि सिर्फ किसी विशेष दिन पर। नैशनल सेंटर फॉर मोटिवेशनल रिसर्च के 2024 के सर्वे के अनुसार, केवल 18% लोग साल के पहले महीने में अपने नए साल के संकल्पों को बनाए रखते हैं।

संकल्प और असली मेहनत

हर नए साल पर लोग वजन घटाने, बचत बढ़ाने, नई आदतें अपनाने जैसे संकल्प लेते हैं। लेकिन अधिकांश संकल्प महज 2-3 हफ्तों तक ही टिकते हैं। अध्ययन बताते हैं कि लोगों को वास्तविक बदलाव के लिए छोटे-छोटे रोज़मर्रा के कदमों को अपनाना और लगातार प्रयास करना जरूरी है। उदाहरण के लिए, भारत में वित्तीय बचत पर 2025 के आंकड़े बताते हैं कि केवल 22% लोग अपने बजट और निवेश के नए साल के संकल्पों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाए।

समय का सच

नए साल का स्वागत करना जरूरी है, लेकिन बीता समय वही है जो अब वापस नहीं आएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, वर्षांत पर आत्म-मूल्यांकन करना और अपने पिछले अनुभवों से सीख लेना ही वास्तविक सफलता की कुंजी है। यही कारण है कि कुछ समाजशास्त्रियों का मानना है कि नया साल केवल 'जश्न का बहाना' है, असली मेहनत और बदलाव तो रोजमर्रा के जीवन में होता है।

सुख और संतोष की परिभाषा

हम अक्सर नए साल में बड़ी खुशियों की उम्मीद करते हैं - नया घर, नई नौकरी, बड़ी उपलब्धियाँ। लेकिन असली संतोष और खुशी हमारे दृष्टिकोण और मानसिक स्थिति से आती है। 2025 में किए गए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार, केवल 35% भारतीय लोग अपनी वर्तमान जीवनशैली से संतुष्ट हैं। यह दिखाता है कि जश्न और भौतिक सुख केवल अस्थायी होते हैं।

सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी

नए साल में केवल व्यक्तिगत सफलता ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व देना जरूरी है। पिछले साल भारत में लगभग 1.2 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक का इस्तेमाल न्यू ईयर की पार्टियों में हुआ, जो प्रदूषण में इजाफा करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नए साल के जश्न में पर्यावरण और समाज को ध्यान में रखना असली जिम्मेदारी है।

नए साल का संदेश

कैलेंडर बदलना आसान है, लेकिन असली बदलाव हमारी सोच, मेहनत और सामाजिक जिम्मेदारी से आता है। नए साल

का महत्व केवल जश्न और शुभकामनाओं में नहीं, बल्कि अपने जीवन को सुधारने, परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और आत्म-निर्माण में है।

अंत में

'2026 नया साल है, लेकिन खुशियाँ और सफलता केवल तभी संभव हैं जब हम अपने भीतर झांकें, निरंतर प्रयास करें और अपने जीवन के हर पहलू को समझदारी और जिम्मेदारी के साथ संभालें। कैलेंडर बदल गया, लेकिन असली बदलाव हमारी सोच और काम में होता है। '

आंग्ल नववर्ष की शुभकामनाएं!

सचिन बाजपेई

पाँच हजार किलोमीटर दूर से जीवन रक्षा रोबोटिक सर्जरी ने बदली चिकित्सा की परिभाषा

चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो सिर्फ एक सफल उपचार भर नहीं होते, बल्कि भविष्य की दिशा तय करते हैं। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हाल ही में हुई रिमोट कंट्रोल रोबोटिक सर्जरी भी ऐसा ही एक क्षण है, जिसने यह साबित कर दिया कि अब इलाज की सीमाएं भूगोल से बंधी नहीं रहीं। चीन के शहर शंघाई में बैठे सर्जन ने मुंबई में मौजूद मरीजों पर सफलतापूर्वक दो जटिल ऑपरेशन किए। करीब पाँच हजार किलोमीटर की दूरी, अलग देश, अलग समय क्षेत्र और फिर भी सर्जरी में महज 132 मिलीसेकेंड की देरी। यह आंकड़ा अपने आप में आधुनिक तकनीक की विश्वसनीयता और सटीकता का प्रमाण है। इस ऐतिहासिक सर्जरी में एक प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित मरीज और दूसरा किडनी रोग से जूझ रहा मरीज शामिल था। दोनों ही मामलों में टौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का उपयोग किया गया, जिसने सर्जन के हाथों की बारीक से बारीक मूवमेंट को बिना किसी कंपकंपी या भ्रम के मुंबई के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म्स तक पहुंचाया। शंघाई में बैठे सर्जन के हाथ जैसे हिले, वैसे ही मुंबई में रोबोट ने प्रतिक्रिया दी। यह तालमेल किसी विज्ञान कथा जैसा लगता है, लेकिन यह आज की हकीकत बन चुका है। इस सर्जरी से पहले भारत सरकार के सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन से विशेष अनुमति ली गई थी, क्योंकि यह न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि नियामकीय और नैतिक दृष्टि से भी एक नया प्रयोग था। स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच सुरक्षा, डेटा ट्रांसमिशन और मरीज की गोपनीयता जैसे सवाल बेहद अहम होते हैं। कोकिलाबेन अस्पताल ने इन सभी पहलुओं पर पूरी तैयारी के साथ यह कदम उठाया और परिणाम ने यह साबित कर दिया कि भारत अब वैश्विक हेल्थकेयर इनोवेशन में अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. टी. बी. युवराज के अनुसार, इस सफलता ने स्पेशलाइज्ड सर्जरी के क्षेत्र में बड़े बदलाव के द्वार खोल दिए हैं। उनका कहना है कि हाई क्वालिटी हेल्थकेयर में रिमोट रोबोटिक सर्जरी भविष्य की रीढ़ बन सकती है। मरीज कहां है, इससे अब फर्क नहीं पड़ेगा। अगर कहीं विशेषज्ञ सर्जन उपलब्ध नहीं है, तो वह दुनिया के किसी भी कोने से अपनी विशेषज्ञता का लाभ मरीज तक पहुंचा सकेगा।

यह सोच न केवल इलाज को सुलभ बनाएगी, बल्कि चिकित्सा असमानताओं को भी कम करेगी। अस्पताल के सीईओ डॉ. संतोष शेट्टी मानते हैं कि यह उपलब्धि एडवांस्ड और सुरक्षित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के बिना संभव नहीं थी। हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, अल्ट्रा-लो लेटेंसी नेटवर्क और रियल टाइम डेटा प्रोसेसिंग ने इस सर्जरी को सुरक्षित और प्रभावी बनाया। उन्होंने कहा कि तकनीक तभी सार्थक होती है जब वह मानव जीवन को बेहतर बनाए और यह सर्जरी उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में इस तकनीक की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। आज भी कई ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है। ऐसे में अगर किसी गंभीर मरीज को बड़े शहर तक लाने में समय लगता है, तो उसकी जान जोखिम में पड़ सकती है। रिमोट रोबोटिक सर्जरी इस चुनौती का समाधान बन सकती है। विशेषज्ञ डॉक्टर महानगरों या यहां तक कि विदेशों में बैठकर भी मरीज का इलाज कर सकेंगे। यह सोच स्वास्थ्य सेवाओं के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। रोबोटिक सर्जरी अपने आप में कोई नई अवधारणा नहीं है, लेकिन रिमोट कंट्रोल के जरिए इतने लंबे फासले से सर्जरी करना अब तक दुर्लभ रहा है। इससे पहले भी दुनिया के कुछ देशों में सीमित दूरी पर टेली-सर्जरी के प्रयोग हुए हैं, लेकिन पाँच हजार किलोमीटर की दूरी और वह भी कैंसर जैसी जटिल बीमारी में, इसे वैश्विक स्तर पर खास बना देती है।

इसमें सर्जन की कुशलता के साथ-साथ मशीन की विश्वसनीयता और नेटवर्क की स्थिरता भी बराबर की भागीदार होती है। मरीजों के नजरिए से देखें तो यह अनुभव किसी चमत्कार से कम नहीं। एक ऐसा मरीज, जो ऑपरेशन टेबल पर लेटा है और जानता है कि उसे ऑपरेट करने वाला डॉक्टर उसी शहर में नहीं, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर किसी दूसरे देश में है, उसके लिए यह भरोसे की परीक्षा भी है। लेकिन जब ऑपरेशन सफल होता है और मरीज सुरक्षित रिकवरी की ओर बढ़ता है, तो तकनीक पर विश्वास और गहरा हो जाता है। यह विश्वास ही भविष्य में ऐसी सर्जरी को व्यापक स्वीकृति दिलाएगा। डॉक्टरों को लंबे समय से 'नेक्स्ट टू गॉड' कहा जाता रहा है, क्योंकि वे जीवन और मृत्यु के बीच खड़े होकर फैसले लेते हैं। अब इस समीकरण में रोबोट भी शामिल हो गया है। मशीन, जो न थकती है, न घबराती है और न ही उसकी हाथों की स्थिरता में कमी आती है। हालांकि निर्णय आज भी इंसान ही लेता है, लेकिन उसे अंजाम देने में रोबोट की सटीकता नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह सहयोग चिकित्सा विज्ञान को एक नए युग में ले जा रहा है। इस उपलब्धि के साथ कुछ सवाल भी स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। क्या भविष्य में मशीनें डॉक्टरों की जगह ले लेंगी। क्या तकनीकी खराबी की स्थिति में मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। क्या हर अस्पताल इस तरह के महंगे सिस्टम को वहन कर पाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये सभी सवाल जायज हैं, लेकिन हर नई तकनीक के साथ ऐसी आशंकाएं जुड़ी होती हैं। समय के साथ जैसे-जैसे तकनीक सस्ती और सुलभ होगी, इन चुनौतियों का समाधान भी निकलता जाएगा। शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी इसका असर पड़ेगा। आने वाले समय में सर्जनों को न केवल पारंपरिक सर्जरी बल्कि रोबोटिक और टेली-सर्जरी में भी दक्ष होना पड़ेगा। मेडिकल कॉलेजों और ट्रेनिंग संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में इन तकनीकों को शामिल करना होगा।

इससे एक नई पीढ़ी के डॉक्टर तैयार होंगे, जो तकनीक और मानवीय संवेदना के संतुलन के साथ इलाज कर सकेंगे। वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत की यह उपलब्धि उसकी सॉफ्ट पावर को भी मजबूत करती है। जब भारतीय अस्पताल और डॉक्टर इस तरह की उन्नत सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं, तो दुनिया का ध्यान स्वाभाविक रूप से भारत की ओर जाता है। यह न केवल मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देगा, बल्कि रिसर्च और टेक्नोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए रास्ते भी खोलेगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई यह रिमोट रोबोटिक सर्जरी सिर्फ दो मरीजों का सफल इलाज नहीं है, बल्कि भविष्य की झलक है। एक ऐसा भविष्य जहां दूरी मायने नहीं रखेगी, विशेषज्ञता सीमाओं में नहीं बंधी होगी और तकनीक मानवता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी। यह उपलब्धि हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि अगर आज पाँच हजार किलोमीटर दूर से सर्जरी संभव है, तो कल चिकित्सा विज्ञान हमें और किन चमत्कारों से रूबरू कराएगा।

कांतिलाल मांडोत

ए छब्बीस, तू प्रेम, मोहब्बत और ममत्व के रिश्तों को बचाए रखना

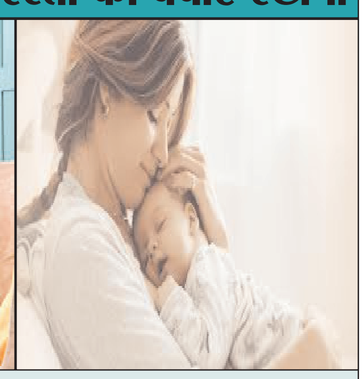

दो हजार पच्चीस बीत गया, लेकिन खुशी कम और ग़म ज़्यादा देकर गया। नया बरस छब्बीस आ गया है, जिसके स्वागत के जश्न में भारत सहित समूची दुनिया डूबी हुई है। नए साल के आरम्भ में दुनिया भर के लोग एक-दूसरे को मंगलकामनाएँ दे रहे हैं। दो हजार पच्चीस के स्वागत में भी ऐसी ही मंगलकामनाएँ दी गई थीं, लेकिन पच्चीस में आधुनिक होते मानव ने बाहरी रूप से भले ही बहुत तरक्की की हो, आंतरिक रूप से वह अपनों से ही टूटकर जीवन हारता रहा । दो हजार पच्चीस जितना खुशियाँ देने वाला बरस माना जाएगा, उससे कहीं अधिक वह अंतर्मन को पीड़ा पहुँचाने वाला वर्ष भी रहा। इस वर्ष भारतीय पारिवारिक जीवन में पति-पत्नी का सात जन्मों तक साथ निभाने वाला रिश्ता जिस तरह तार-तार हुआ, उसने परंपराओं को मानने वाले समाज को झकझोर दिया। जिस भारतीय समाज में विवाह को पवित्र बंधन माना जाता था, वह अब नए युग में अविश्वसनीय होता जा रहा है। भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते का वर्णन भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और उनसे भी पूर्व देवाधिदेव महादेव के काल से मिलता है। इसी परंपरा को भारत में आज भी लोग सच्चे मन और पवित्र भाव से निभाते आए हैं। लेकिन जैसे-जैसे मानव आर्थिक रूप से सक्षम होकर आधुनिक होता जा रहा है, वैसे-वैसे उसके आचार-विचार और व्यवहार में बदलाव आरहा है। परिणामस्वरूप, कभी चट्टान की तरह अटूट दिखने वाले पारिवारिक रिश्ते दरकने लगे हैं । आज देश में महानगर हों, नगर हों या गाँव हर जगह पारिवारिक रिश्तों में दरार साफ दिखाई देती है। अब गिने-चुने संयुक्त परिवार ही रह गए हैं, जहाँ सभी सदस्य एक छत के नीचे, एक चूल्हे की रोटी साथ खाते हैं। यह कड़वा सच है कि शिक्षित और सभ्य कहलाने वाले समाज में जब से धन-लालसा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और 'अपनी लाइफ' बनाने की दौड़ शुरू हुई, तब से संयुक्त परिवारों में रिश्तों का पतन होने लगा, जो आज भी जारी है। आज खून के रिश्तों में भी भयावह कड़वाहट देखी जा सकती है। शिक्षित आधुनिक लोग अपने ही घर-परिवार में असहज महसूस करने लगे हैं। पति-पत्नी ही नहीं, बल्कि माता-पिता, भाई-बहन, मामा-मौसी, बुआ-चाचा जैसे रिश्तों में भी इतनी दरार आ गई है कि अपने ही लोग सुख-दुःख के साथी नहीं रह गए । इस आधुनिक वातावरण में हर घरेलू रिश्ता टूटकर 'मैं' और 'मेरे' तक सीमित होता जा रहा है। इसका दुष्परिणाम यह है कि हाई-टेक होती पीढ़ी के बच्चों में रिश्तों के प्रति संवेदनशीलता, आत्मीयता और अपनापन कम होता जा रहा है। रिश्तों का मोल घटने से पारिवारिक ताना-बाना तेजी से बिखर रहा है । यह भारतीय समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज उच्च शिक्षित परिवारों में ही प्रेम, धन या संपत्ति की चाहत में अपने ही माता-पिता, भाई-बहन या पति-पत्नी एक-दूसरे की हत्या तक कर रहे हैं। इससे घर के भीतर ही अविश्वास और भय का वातावरण बढ़ता जा रहा है। आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को केवल आवश्यकता-पूर्ति का साधन समझने लगी है, तभी तो विवाह जैसे पवित्र बंधन को भी एक एग्रीमेंट या समझौता मात्र माना जाने लगा है।

दो हजार पच्चीस में प्यार, पैसा और संपत्ति के कारण पारिवारिक रिश्तों का खून होते सभी ने देखा है। इनमें सबसे अधिक पीड़ादायक दृश्य पति-पत्नी के प्रेम संबंधों का टूटना रहा, जिसने पूरे समाज को भीतर तक भयभीत कर दिया । छब्बीस के आगमन की खुशी में पच्चीस के दिए ग़म कम नहीं होंगे, लेकिन ए छब्बीस, तुझसे एक ही प्रार्थना है आधुनिक पीढ़ी के हाई-टेक बच्चों को पारिवारिक रिश्तों का मर्म समझाना, प्रेम, मोहब्बत और ममत्व के रिश्तों को टूटने से बचाए रखना। तभी नववर्ष छब्बीस के आने की सार्थकता होगी और तभी तुम्हारी बधाइयों का वास्तविक महत्व रहेगा।

अरविंद रावल

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोटः उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

सीएनजी ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार बालक की मौत

बिसवां-सिधौली रोड पर गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सामने से आ रहे सीएनजी लदे ट्रक ने साइकिल सवार बालक को कुचल दिया। हादसे में जाफराबाद निवासी आयुष (12 वर्ष), पुत्र कृष्णपाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

समाचार पत्र विक्रेता बिना सर्दी की परवाह किए घर घर अखबार पहुंचने क कार्य करते है उनका सम्मान किया जाना चाहिए: उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला

बिसवां/सीतापुर समाचार पत्र विक्रेता बिना सर्दी की परवाह किए घर-घर अखबार पहुंचाने का कार्य करते हैं। उनका सम्मान किया जाना आवश्यक है। यह बातें स्थानीय तहसील सभागार में समाचार पत्र विक्रेताओं को कंबल व जैकेट वितरण कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला एवं तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि समाचार पत्र विक्रेता समाज को सूचना से जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। प्रशासन द्वारा यह छोटा सा प्रयास उनके योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान सभी समाचार पत्रविक्रेताओं को सर्दी से बचाव के लिए कंबल व जैकेट प्रदान किए गए।इस अवसर पर सुरेश यादव अजय कुमार दुर्गा प्रसाद राजकुमार यादव त्रिभुवन गुप्ता सोहनलाल संदीप गुप्ता सहित भारी संख्या में समाचार पत्र विक्रेता उपस्थित रहे।

सचिव की कुर्सी संभाल रहा है दलाल अकाउंटेंट दे रहे हैं दलाल को सह

हलिया मीरजापुर हलिया विकासखंड के गलरा खुटहा सहकारी समिति पर दलाल सचिव की कुर्सी संभाल रहा है कई एक बार किसानों ने दलाल का शिकायत भी किया लेकिन दलाल के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं किया गया जिससे क्षेत्र में दलालों का हौसला बुलंद होता जा रहा है सहकारी समिति पर सचिव की कुर्सी पर बैठकर दलाल बना रहा है रजिस्टर मोबाइल में वीडियो कैद होते ही उठकर बाहर भागा दलाल धान से लेकर खादी तक में होती है सहकारी समिति गलरा खुटहा समिति पर दलाली नहीं है सुरक्षित किसान अकाउंटेंट के मिली भगत से सहकारी समिति पर जमकर होता है दलाली क्षेत्र मे किसानों ने बताया कि खाद्य सरकारी रेट पर नहीं बल्कि मार्केट के रेट पर दलाल करते हैं बिक्री मजबूरी में किसान खाद लेकर अपना करते हैं किसानी सचिव नहीं रहते हैं केंद्र पर मौजूद।

दश दिन से फुका ट्रांसफर उपभोक्ता परेशान

हलिया , मीरजापुर। स्थानीय बरी उपकेंद्र अदवा फीडर केराजपुर गांव में शारदा प्रसाद तिवारी के घर के पास लगा लगा 25 केविए का ट्रांसफॉर्म 10 दिन से जल गया है जिससे बिजली आपुर्ति बाधित होने से पेय जल की समस्या हो गई है। रात में जंगली जानवरों व मवेशियों का खतरा बना है। इसके लिये बार फोन किया गया लाइनमैन कमलेश मौके निरिक्षण किया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।एसडीओ दिलीप कुमार ने इसकी शिकायत 19 12 भी करने को कहा इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने पर उपभोक्ताओं में आक्रोश ब्याप्त है बिजली विभाग के उदासीनता के चलते उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड रहा है गाँव निवासी प्रभाशंकर पांडे, विमलेश पांडे, कमलाशंकर पांडे , सतेन्द्र तिवारी, संतोष तिवारी लग भग दश कनेक्शन धारकों ने उच्च अधिकारियों से समस्या समाधान की मांग की है।

डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह एक प्रेरक व्यक्तित्व: आई ए एस प्रशिक्षक

● डॉ महेंद्र प्रताप सिंह के ऐतिहासिक अभिनंदन समारोह में वक्ताओं ने बांधी शमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। डॉ महेंद्र प्रताप सिंह का व्यक्तित्व प्रेरक और अभिनन्दनीय है। यह बात लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी के पूर्व प्रशिक्षक डॉ गंगा प्रसाद शर्मा गुणशेखर ने उपनिदेशक/ प्राचार्य डॉ महेंद्र प्रताप सिंह के सेवानिवृत्त के अवसर पर आयोजित अप्रतिम अभिनन्दन समारोह में डायट खैराबाद के सभागार में कही। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था के दीर्घ, जटिल और बहुआयामी परिदृश्य में जिन विरल व्यक्तित्वों ने प्रशासन को संवेदना, अनुशासन को मानवीय दृष्टि और नीतियों को वैचारिक ऊँचाई प्रदान की है, उनमें डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह का नाम अत्यंत सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। यह अभिनंदन एवं विदाई समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि एक युगद्रष्टा शिक्षाविद् के प्रति सामूहिक कृतज्ञता ज्ञापित करने का हेतु है।

तीन दशकों से अधिक की सतत, निष्ठावान और मूल्यपरक सेवा-यात्रा में डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने शिक्षा प्रशासन को मात्र दायित्व-निर्वहन तक सीमित न रखते हुए उसे सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदना से समृद्ध किया।

जनपद शाहजहांपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक भूमि से उद्भूत डॉ. सिंह ने अध्यापन से प्रशासन तक की अपनी यात्रा में प्राथमिक, माध्यमिक एवं शिक्षक-प्रशिक्षण के प्रत्येक स्तर को नई दिशा दी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, मंडलीय मनोवैज्ञानिक तथा विभिन्न जनपदों में अनेक दायित्वों का निर्वाह किया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, सीतापुर तथा विशिष्ट अतिथि अखिलेश प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने श्री सिंह को अशेष जीवन की शुभकामनाएं दी। समारोह के मुख्य वक्ता शिक्षक साहित्यकार डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने डॉ. सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ज्ञान की जीवंत लाइब्रेरी हैं। साहित्य के क्षेत्र में भी डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह का योगदान उल्लेखनीय रहा। 'अंजना माई' एवं 'इंदिरा गांधी' जैसे खंडकाव्य, Dynamic Principles of Psychology जैसी पुस्तकें उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करती हैं। कार्यक्रम में कवयित्री पिंकी अरविंद प्रजापति एवं कवि रोहित विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत काव्य-पाठ ने वातावरण को भावनात्मक एवं प्रेरणास्पद बना दिया। इस समारोह में सीतापुर, रायबरेली, हरदोई, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं एवं लखीमपुर खीरी से भी अनेक विद्वानों ने अपने संबोधनों में डॉ. सिंह की प्रेरक कार्यशैली और मानवीय दृष्टि को रेखांकित किया।

इस गरिमामय आयोजन के प्रेरणा स्रोत श्री अमित कुमार, प्रवक्ता, डायट खैराबाद रहे।कार्यक्रम की परिकल्पना डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति द्वारा की गई। आयोजन की जिम्मेदारी श्री जयपाल, वरिष्ठ सहायक, डायट खैराबाद ने निभाई, जबकि संयोजन का दायित्व श्री शशांक तिवारी, लिपिक, डायट खैराबाद ने कुशलतापूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम का सुचारु, संयत एवं प्रभावी संचालन डायट प्रवक्ता श्री अमित कुमार एवं प्रवक्ता डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति ने कहा कि डायट के प्रवक्ता अमित कुमार ने मंच संचालन करते हुए कहा कि उप निदेशक/डायट प्राचार्य एवं उप डायट, खैराबाद में आपकी सेवाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। अल्प समय में संस्थान में 'कली उद्यानिका', वैदेही सीता माता की प्रतिमा तथा प्रेरणा स्तंभ आदि प्रमुख हैं।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने क्रय केंद्रो का किया औचक निरीक्षण

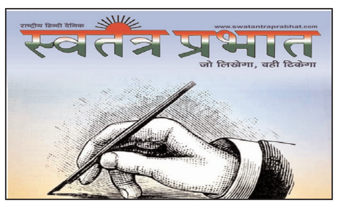

हलिया, मीरजापुर। बुधवार को जिलाधिकारी के आदेशानुसार धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम लालगंज महेंद्र कुमार सिंह ने भटवाड़ी डिघिया क्रय केंद्र का निरीक्षण किया है ज्वाइंट मजिस्ट्रेट भटवारी दिघिया साधन सहकारी समिति धान क्रय केंद्र के निरीक्षण के दौरान बोरा, रजिस्टर , अवशेष, टोकन रजिस्टर आदि का मिलान कर किसानों से बातचीत किया। मौके पर उपस्थित क्रय केंद्र प्रभारी रमाकांत ने बताया कि समिति पर धान की खरीद की जा रही है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बताया कि साधन सहकारी समिति क्रय केंद्र गलरा, खुटहा का निरीक्षण किया गया जहां पर काफी अनियमितताएं थीं सचिव के विरुद्ध कार्यवाही के लिए पत्र भेजा गया था जिसमें सचिव क्रय केंद्र प्रभारी विकास तिवारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जहां भी क्रय केंद्र पर अनियमित मिलती है? चेतावनी के बाद सुधार नही होने पर क्रय केंद्र प्रभारियों की विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इससे केंद्र प्रभारियों में हडकंप ब्याप्त है।

निगोहां के दयालपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ, पहले दिन दो रोमांचक मुकाबले खेले गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां! लखनऊ, निगोहा क्षेत्र के दयालपुर गांव में 1 जनवरी से प्रारंभ हुई क्रिकेट टूर्नामेंट सीरीज का शुभारंभ बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। टूर्नामेंट के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सपा अमरीश सिंह पुष्कर एवं जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी मधुकर सिंह यादव ने फीता काटकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।टूर्नामेंट का पहला लीग मैच दयालपुर और मीरख नगर की टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दयालपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 164 रनों का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीरख नगर की टीम ने भी संघर्षपूर्ण खेल दिखाया, लेकिन 14.2 ओवरों में 146 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और मुकाबला दयालपुर के नाम रहा। इस मैच में दयालपुर की ओर से शानदार 66 रन की पारी खेलने वाले सुजीत कनौजिया को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार डॉ. रामनारायण रावत एवं ग्राम प्रधान शैलेंद्र कुमार पाल द्वारा प्रदान किया गया !दूसरा लीग मैच शीर्ष टीम और दयालपुर बी टीम के बीच खेला गया। शीर्ष टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 136 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में दयालपुर बी टीम निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर मात्र 88 रन ही बना सकी। इस प्रकार शीर्ष टीम ने मुकाबला अपने नाम किया।

मैच में शीर्ष टीम के खिलाड़ी लकी ने 46 रनों की शानदार पारी खेली और साथ ही तीन विकेट भी झटके। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें रामभान सिंह एवं शैलेंद्र शुक्ला द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन में क्रिकेट समिति की अहम भूमिका रही। समिति में ग्राम प्रधान पति शैलेंद्र कुमार पाल, रामभान सिंह, नीरज सिंह, राजेश चौधरी, डॉ. रामनारायण रावत, सत्यम सिंह, रजनीश शुक्ला, सलिल चौधरी, सचिन चौधरी, प्रशांत सिंह, राम सिंह सैलानी शामिल रहे। वहीं मैच के दौरान अंपायर की भूमिका गंगेश पाल और रिंकू रावत ने निभाई। इस मौके पर भदद्दी सिर्श प्रधान सुरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से युवाओं में खेल भावना विकसित होती है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। टूर्नामेंट के आगामी मैचों को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह बना हुआ है।

AIM CBSE कॉलेज के छात्रों ने मरीजों के साथ मनाया नया वर्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। जब अधिकतर लोग नए वर्ष का स्वागत जश्न और उत्सव के साथ कर रहे थे, तब AIM CBSE कॉलेज, बाड़ी सिधौली के छात्रों ने इंसानियत और सेवा को अपना उत्सव बनाकर समाज के सामने एक भावुक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। छात्रों ने यह सिद्ध किया कि सच्ची खुशी दूसरों के दुख को समझने और उनके जीवन में उम्मीद जगाने में है। छात्र अपने शिक्षकों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती मरीजों के साथ नया वर्ष मनाया। छात्रों ने मरीजों को फूल, फल और अपने हाथों से बनाए गए नए वर्ष के ग्रीटिंग कार्ड भेंट किए। बच्चों को अपने पास देखकर मरीज भावुक हो गए और कई मरीजों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। छात्रों ने मरीजों से आत्मीय बातचीत कर उनका दुख-दर्द सुना।

इस अवसर पर सीएमएस श्री आनंद कुमार सिंह ने कहा कि नए वर्ष पर छात्रों का आगमन मरीजों के लिए दवा से भी अधिक सुकून देने वाला रहा।

इसके बाद छात्र पुलिस कोतवाली पहुंचे, जहां उन्होंने एसएचओ श्री विजेंद्र सिंह और एसआई सुश्री आस्था शर्मा (वीमेन पावरलाइन 1090) को फूल भेंट कर नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं।अंत में छात्र एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां एसडीएम सुश्री राखी वर्मा ने कहा कि ऐसी सामाजिक गतिविधियों से छात्रों के भीतर जनभावना और राष्ट्रभावना का विकास होता है। कार्यक्रम के समापन पर संस्था के सचिव-श्री फरीदी (एडवोकेट हाईकोर्ट) ने कहा कि छात्रों में इंसानियत, सेवा-भाव और राष्ट्रप्रेम AIM CBSE कॉलेज की सच्ची प्रतिबिंबता है। उन्होंने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि ऐसे संस्कार देना है जो बच्चों को एक संवेदनशील, जिम्मेदार और देशभक्त नागरिक बनाएं।

अंतराष्ट्रीय शोटोकन कराटे चैंपियनशिप 2025 की 25 किलोग्राम अनुर्ध श्रृंखला में स्वर्ण पदक जीता सिलापथार के आयान शर्मा ने इस खबर से इलाके में खुशी के माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। अंग्रजी नई साल का पहला दिन सिलापथार वासियों के लिये गौरव का खबर लेकर महाराष्ट से सिलापथार पहुंचे, आयान शर्मा, 9 साल उम्र का एक बच्चे ने।सिलापथार शहर के सोसाइटी के रहने वाले सिलापथार डॉन बॉस्को स्कूल के तीसरी कक्षा के स्टूडेंट ध्रुव शर्मा का बेटा। ध्रुव शर्मा ने 27 दिसंबर को महाराष्ट्र के बल्लभपुर के अटल बिहारी वाजपेयी इंडोर स्टेडियम में हुई इंटरनेशनल शोटोकन कराटे चैंपियनशिप 2025 की अंडर-25द्वद्व कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता और गोल्ड मेडल जीतने वाले इयान शर्मा आज सुबह अपने घर पहुंचे और लोकल लोगों ने उनका वेलकम किया। उन्होंने बच्चे को गोमोछा ओढ़ाया। बच्चे ने नए साल के पहले दिन सिलापथार के लिए एक खास सम्मान लाकर सभी को गौरांवित किया।आयान के घर पर कई शुभचिंतको ने आयान को आशीर्वाद देते हुए आने वाले दिनों में और ज़्यादा सफलता की कामना की। नई साल का आनंदमय पहला दिन में आयान शर्मा के इस खबर से इस खबर से इलाके में खुशी के माहौल।

बिजली बिल राहत योजना-2025 से लाभ उठाने की ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने की अपील

● ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने बिजली बिल राहत योजना के प्रथम चरण के अंतिम दिवस पर लगाया पूरा जोर,दिन में दो बार वर्चुअल माध्यम से बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रथम चरण के अंतिम दिवस पर बिजली बिल राहत शिविरों में उमड़ी भारी भीड़

ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने अपने प्रभार जनपद भदोही के विभिन्न शिविरों से वर्चुअल संवाद कर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं

पात्र उपभोक्ताओं को योजना से वंचित न रखने के सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने प्रदेश के सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे सरकार द्वारा संचालित बिजली बिल राहत योजना-2025 का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश के गरीब, मध्यम वर्ग एवं वर्षों से बिजली बिल के बोझ से दबे उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत देने वाली एक ऐतिहासिक, संवेदनशील और जनहितकारी योजना है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक तनाव से मुक्त करना है।योजना के प्रथम चरण के अंतिम दिवस पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आयोजित बिजली बिल राहत शिविरों में भारी भीड़ देखने को मिली। बड़ी संख्या में उपभोक्ता सुबह से ही शिविरों में पहुंचकर अपने पुराने बकाया का निस्तारण कराते दिखे। इस अभूतपूर्व सहभागिता से स्पष्ट है कि योजना को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने संगम भवन, लखनऊ से वर्चुअल माध्यम द्वारा आजमगढ़, बलिया, मऊ, प्रयागराज सहित अपने प्रभार जनपद भदोही के विभिन्न शिविरों से सीधे संवाद किया। वर्चुअल संवाद के दौरान उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए, जिन्हें मंत्री जी ने गंभीरता से सुना।संवाद के दौरान अनेक उपभोक्ता भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि 'मंत्री जी, यह योजना हमारे लिए वरदान साबित हुई है। पिछले 15-20 वर्षों से बिजली बिल को लेकर जो मानसिक पीड़ा थी, उससे अब मुक्ति मिल गई है। अब हम सम्मान के साथ अपने बिल जमा कर पा रहे हैं और चैन की नींद सो पा रहे हैं। उपभोक्ताओं ने योजना के लिए ऊर्जा मंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

कई शिविरों से यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि स्थानीय विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा, जिससे शिविरों में कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हुआ। मंत्री श्री शर्मा ने इस सकारात्मक प्रयास के लिए अधिकारियों की प्रशंसा भी की।ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल के अध्यक्ष से चर्चा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 दिसंबर को जब तक शिविरों में उपभोक्ताओं की भीड़ बनी रहे, तब तक किसी भी स्थिति में शिविर बंद न किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को योजना का लाभ दिए बिना शिविर समाप्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री श्री शर्मा ने भदोही के विभिन्न स्थानों पर लगे शिविरों से जुड़े उपभोक्ताओं से संवाद किया तथा उनकी स्थानीय समस्याओं, तकनीकी दिक्कतों एवं सुझावों को जाना।इस दौरान यह भी संज्ञान में आया कि मार्च माह के बाद एक से अधिक किस्त जमा करने वाले कुछ उपभोक्ताओं को तकनीकी कारणों से योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर मंत्री श्री ए के शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों की तत्काल समीक्षा कर योजना के दायरे का विस्तार किया जाए, ताकि कोई भी पात्र उपभोक्ता लाभ से वंचित न रहे। अंत में ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बिजली बिल राहत योजना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को वास्तविक और स्थायी राहत मिल सके।

नव वर्ष पर निकली 18वीं विशाल शिव पदयात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

● नगर से पैदल यात्रा कर डीजे की धुन पर नाचते गाते पहुंचे बाबा बाल्हेश्वर धाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

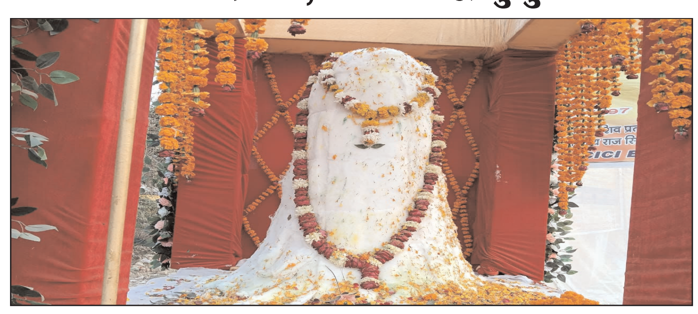

लालगंज (रायबरेली)। नव वर्ष के पावन अवसर पर गुरुवार को ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल की ओर से नगर में 18वीं विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से करीब 40 हजार श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं का यह विशाल जत्था ऐहार गांव स्थित बाबा बाल्हेश्वर धाम पहुंचा, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नए साल की शुरुआत की गई।

पदयात्रा की शुरुआत सुबह सात बजे सराफा मंडी स्थित पंचमुखेश्वर हनुमान मंदिर से हुई। यात्रा सब्जी मंडी के बालाजी मंदिर होते हुए वीरापासी चौक पहुंची, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

पदयात्रा में बाबा बर्फानी अमरनाथ और खाटू श्याम की भव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। लखनऊ से आए कलाकारों ने भगवान शिव और मां पार्वती की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भक्ति संगीत पर झूमते और सेल्फी लेते नजर आए। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक पदयात्रा में शामिल हुए।

नगर से लेकर ऐहार गांव स्थित बाबा बाल्हेश्वर मंदिर तक श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा रहा। मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने दर्शन व अभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर के प्रधान पुजारी पं. झिलमिल महाराज ने बताया कि करीब 40 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बाल्हेश्वर के दर्शन किए। पदयात्रा में मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, दीपेंद्र गुप्ता, पूर्व चेयरमैन रामबाबू गुप्ता, कैलाश बाजपेई, सीपी पांडेय, विवेक शर्मा, रोहित सोनी, अप्पू शर्मा, सहित नगर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विंध्य हेरिटेज फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर गंगा आरती व सांस्कृतिक आयोजन

● स्व. पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव व गंगा सेवक आलोक मिश्र की स्मृति में कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। नगर के ऐतिहासिक पक्का घाट पर वर्ष 2017 से निरंतर आयोजित हो रही गंगा आरती एक बार फिर श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बनी। अवसर था विंध्य हेरिटेज फाउंडेशन के स्थापना दिवस का, जिसे स्वर्गीय पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव एवं गंगा सेवक आलोक मिश्र की स्मृति को समर्पित किया गया। इस अवसर पर विधिवत गंगा आरती के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर आयुक्त विश्राम सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम में लल्लू तिवारी, विभूति मिश्र, डॉ. शीला सिंह, सारिका चौरसिया, नितिन अवस्थी एवं अनिल यादव सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन जय श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और मां गंगा की आरती कर जनकल्याण की कामना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गंगा आरती केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम है। विंध्य हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा पिछले कई वर्षों से निरंतर किए जा रहे सांस्कृतिक और सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में रानी सिंह, शिवलाल गुप्ता, सोफिया शैला श्रीवास्तव एवं अजित उपाध्याय ने भजन, शास्त्रीय संगीत और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों से पक्का घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और नगरवासियों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी संस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन हेतु ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया। पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने घाट के सौंदर्यीकरण का भरोसा दिया। कहा कि पत्थरों से सजा घाट हमारी धरोहर है। कार्यक्रम में सभासद बाबा यादव विजय कृष्ण गर्ग, किशुन लाल पहलवान, गोवर्धन यादव आदि उपस्थित थे।

सिघौर तारा में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहें सपा नेता: मनीष देव पाल

● सरेनी से विधायक बने तो खेल मैदान को देंगे नया रूप:मनीष देव पाल

(रायबरेली)। सरेनी विधानसभा क्षेत्र के सिघौर तारा गांव में बृहस्पतिवार को आयोजित स्वर्गीय रघुनाथ प्रसाद यादव स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के नेता मनीष देव पाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि मनीष देव पाल ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी युवाओं और खेलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यदि वे सरेनी विधानसभा से विधायक निर्वाचित होते हैं तो क्षेत्र के सभी खेल मैदानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने पर सरेनी विधानसभा क्षेत्र में बड़े स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वादा युवाओं के भविष्य से जुड़ा है, जिसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। इस मौके पर शैलेंद्र यादव प्रधान, कमलेश प्रधान, शिवकुमार, ललित पाल, सर्वेश चंद्र, रामचंद्र, मयंक सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर एक्ट के अभियोग में अन्तर्जनपदीय अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

प्रतापगढ़ । गिरफ्तार अन्तर्जनपदीय अभियुक्त पर जनपद प्रतापगढ़ व जनपद सुल्तानपुर में हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट व गैंगस्टर जैसे गंभीर अपराध पंजीकृत है।थाना प्रभारी सांगीपुर राजेन्द्र त्रिपाठी के नेतृत्व में उप निरीक्षक आकाश शुक्ला मय हमराह द्वारा तलाश वांछित अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर गैंगेस्टर एक्ट थाना सांगीपुर प्रतापगढ़ से संबंधित अन्तर्जनपदीय एक अभियुक्त सत्यम सिंह पुत्र जमुना प्रसाद सिंह निवासी ग्राम पूरे नारायणदास थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 22 वर्ष को थाना सांगीपुर क्षेत्रान्तर्गत पूरे नारायण दास मोड़ पुलिया मुर्गी फार्म के पास से गिरफ्तार किया गया।

जिलाधिकारी ने जनपद न्यायाधीश से भेंट कर नववर्ष की शुभ कामनाएं दी

प्रतापगढ़। नववर्ष के अवसर पर जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पाण्डेय से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नया वर्ष जनपद के लिए सुख, समृद्धि और प्रगति लेकर आए, ऐसी उनकी कामना है। जनपद न्यायाधीश ने भी जिलाधिकारी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि न्यायिक एवं प्रशासनिक समन्वय से जनपद के विकास और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। भेंट के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण रहा तथा दोनों अधिकारियों के बीच जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर संक्षिप्त चर्चा भी हुई।

नये साल में महिला सशक्तिकरण अभियान और प्रभावी ढंग से चलाया जाएगा

कानपुर। महिला सशक्तिकरण अभियान के सम्बन्ध में पुलिस आयुक्त कानपुर नगर रघुवीर लाल द्वारा कहा गया है कि वर्ष 2026 में महिलाओं से संबंधित अभियानों को और अधिक सख्ती एवं प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिला सहायता/मिशन शक्ति केंद्र संचालित हैं, जिनकी सफलता इसी से स्पष्ट होती है कि अब तक कुल 1916 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं।इनमें से लगभग 920 मामलों में आपसी समझौता कराया गया, 476 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है तथा 408 मामलों में निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप बेटियों एवं महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए थानों पर संचालित मिशन शक्ति केंद्र प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं। महिलाओं के सम्मान की रक्षा हेतु विशेष टीमें गठित की गई हैं।साथ ही, सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पीड़ित महिलाओं तक पहुँचाने के लिए पुलिस टीमें निरंतर प्रयासरत हैं। चाहे मामला स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास अथवा अन्य विभागों से संबंधित हो, पुलिस टीमें महिलाओं के साथ समन्वय स्थापित कर संबंधित विभागों का सहयोग लेकर योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कर रही हैं।

पीडीए समाज के सजग प्रहरी थे लोकबंधु राजनारायण

देवरिया। पीडीए समाज के सजग प्रहरी लोकबंधु राजनारायण को उनके स्मृति दिवस पर सपा जनसंपर्क कार्यालय, डुमरी (रामपुर कारखाना) में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि सवर्ण समाज में जन्म लेकर भी राजनारायण ने वंचित वर्गों के उत्थान के लिए संघर्ष किया और उन्होंने पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिलाने तक उन्होंने ऐतिहासिक भूमिका निभाई और इसके लिए जेल व यातनाएं भी सहीं। कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर लोकतंत्र बचाने तक राजनारायण का योगदान अतुलनीय है। इस अवसर पर व्यास यादव, रामप्यारे यादव, मुस्तकीम, नवल किशोर यादव सहित अनेक सपाजनों ने श्रद्धांजलि दी।

जनपद की 34 ग्राम पंचायतों में आज लगेगी ग्राम चौपाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला विकास अधिकारी केएन पाण्डेय ने बताया है कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में ग्राम स्तर पर जनसमस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में नववर्ष के प्रथम सप्ताह में 02 जनवरी 2026 को जनपद के सभी 17 विकास खंडों की कुल 34 ग्राम पंचायतों में एक साथ ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया है कि मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 दिव्या मिश्रा द्वारा आगामी तीन माह का विस्तृत रोस्टर जारी करते हुए समस्त खंड विकास अधिकारियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम चौपाल में ग्राम एवं विकास खंड स्तर के सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। ग्राम चौपाल में विशेष रूप से खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), सहायक विकास अधिकारी (ग्राम्य विकास), अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), ब्लॉक मिशन मैनेजर (एनआरएलएम), अवर अभियंता, सहायक अभियंता, पशु चिकित्सा अधिकारी, सीडीपीओ, कृषि, सिंचाई, विद्युत, पूर्ति निरीक्षक, जल निगम, समाज कल्याण, श्रम विभाग, राजस्व विभाग सहित समस्त लाइन विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ग्राम पंचायतों में संचालित समस्त निर्माण कार्यों की स्थलीय जांच अनिवार्य रूप से की जाए तथा ग्रामीणों की शिकायतों एवं समस्याओं को मौके पर ही सूचीबद्ध किया जाए। प्राप्त समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह के भीतर करते हुए उसका अभिलेखीय प्रमाण संबंधित ग्रामीणों को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। ग्राम चौपाल की प्रभावी निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए ग्राम चौपाल हेतु विकास खंड सदर में जिला विकास अधिकारी, विकास खंड सांडवा चंद्रिका में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण तथा विकासखंड मांधाता में उपायुक्त श्रम रोजगार को नामित किया गया है।

अझारा क्रिकेट टूर्नामेण्ट के पहले मैच में शीतलमऊ टीम हुई विजयी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत के अझारा वार्ड में गुरूवार को अझारा क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने पहले मैच का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया। पहला मैच शीतलमऊ व खानापट्टी के बीच खेला गया। शीतलमऊ ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए खानापट्टी ने दस ओवरों में 59 रन बनाया। शीतलमऊ की तरफ से अवनीश सिंह ने तीन ओवरों में 12 रन देकर चार विकेट झटके।बैटिंग करते हुए शीतलमऊ की टीम ने पांच ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर 61 रन बनाकर मैच को सात विकेट से आसानी से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अवनीश सिंह रहे। लीग का दूसरा मैच डेंजर 11 व डीएम 11 के बीच खेला गया।

पहले बैटिंग करते हुए डीएम 11 ने निर्धारित दस ओवरों में तिरपन रन बनाए। डीएम 11 की ओर से मनीष ने सर्वाधिक 18 रन बनाए और डेंजर 11 की ओर से बोलिंग करते हुए मनोज ने तीन विकेट लिए। 54 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेंजर 11की शुरुआत बेहद खराब रही।11रन पर चार विकेट गिर जाने के बाद नीरज के नाबाद 26 और इमरान के नाबाद 18 की बदौलत आठवें ओवर में 56 रन बनाकर छह विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ़ द मैच डेंजर 11 के मनोज सरोज रहे। टूर्नामेंट के आयोजक धर्मपाल गौतम ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया। संयोजक अजय मिश्र आशीष, अध्यक्ष श्रीश पाण्डेय, संरक्षक प्रभाकर मिश्रा, अभिषेक मिश्र, सभासद दारा सिंह, सभासद संजय सिंह, गिरिजाकांत द्विवेदी, सुब्रत तिवारी, राज सिंह, विक्रम सिंह, रोशन सिंह, दीपक पाण्डेय, नवीन सिंह, गणेश मिश्र, श्वेत मिश्र, शिव मिश्र, मनीष मिश्रा, अभिषेक मिश्र, राजू पाण्डेय बेलहा, सतीश तिवारी आदि रहे।

स्थापना दिवस पर सेवा का संकल्प निषाद राज सेवा समिति ने 500 ग्रामीणों को बांटे कंबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खरहरा/सोनभद्र- कड़ाके की ठंड और भीषण शीतलहर को देखते हुए निषाद राज सेवा समिति ट्रस्ट के स्थापना दिवस के अवसर पर मानवता की सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की गई। जनपद के आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत खरहरा के टोला देवखर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर गरीब, असहाय, विकलांग और वृद्धजनों को कंबल वितरित किए गए। निषाद राज सेवा समिति के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र निषाद के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों जैसे खरहरा, अमीला, देवखर, खैरहवा, हरदहवा, बरवाडाड, पालीडाड और गौरघट्टी के लगभग 500 ग्रामीणों को कंबल प्रदान किए गए। कड़कड़ाती ठंड में कंबल पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने संस्था के प्रति आभार प्रकट किया। कंबल वितरण के साथ-साथ यह कार्यक्रम सामाजिक व आर्थिक जागरूकता का केंद्र भी बना ग्रामीणों को चोपन या ओबरा जाने की असुविधा से बचाने के लिए खरहरा (टोला देवखर) में खुली नई इंडियन बैंक शाखा में खाता खुलवाने की अपील की गई। बैंक मैनेजर अभय कुमार उपाध्याय ने लोगों को बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी। सुभासपा के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जय प्रकाश वियार ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और उनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से संस्था के सचिव अजीत कुमार निषाद, पूर्व प्रधान राम बिलास निषाद, के.के. पांडे, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रामदुलारे खरवार, इन्द्रजीत निषाद, राज नारायण शर्मा, अयोध्या केशरी, विधानसभा अध्यक्ष संदीप वियार, राम आधार, पप्पू भारती, लाल साहब, दशरथ निषाद और सुर्यजित निषाद सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। निषाद राज सेवा समिति ट्रस्ट का स्थापना दिवस। स्थान टोला देवखर, ग्राम पंचायत खरहरा (सोनभद्र)। 500 गरीब, विधवा, विकलांग व असहाय ग्रामीण। स्थानीय इंडियन बैंक शाखा में खाता खुलवाने हेतु जागरूकता अभियान।

टूरिस्ट गाइड बनने का सुनहरा अवसर, 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए 5 जनवरी तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। जनपद के ऐतिहासिक किलों, प्राकृतिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए अब स्थानीय स्तर पर पेशेवर गाइड तैयार किए जाएंगे। सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती ने बताया कि सोनभद्र के निवासियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से लोकल लेवल टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सोनभद्र अपनी ऐतिहासिक विरासत और इको-टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आने वाले भारतीय और विदेशी पर्यटकों को सही सूचना और सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित गाइडों की आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण न केवल पर्यटन को व्यवस्थित करेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए आय के नए स्रोत भी खोलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी इस अवसर का लाभ उठाने के लिए निम्नलिखित समय-सारणी का ध्यान रखें। आवेदन की अंतिम तिथि 5 जनवरी, 2026 (शाम 05:00 बजे तक)। आवेदन जमा करने का स्थान जिला सूचना कार्यालय, कक्ष संख्या-32, कलेक्ट्रेट सोनभद्र। आवेदकों की स्क्रीनिंग 6 जनवरी, 2026 (अपरान्ह 02:00 बजे से), कलेक्ट्रेट सभागार।

प्रशिक्षण का स्थान इंडियन बैंक ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान (आर-सेटी), लोढ़ी, सोनभद्र। प्रशिक्षण अवधि 7 जनवरी, 2026 से शुरू (कुल 10 दिवसीय कार्यक्रम)।प्रशिक्षण का समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक। इस प्रशिक्षण के लिए सोनभद्र जनपद के मूल निवासी आवेदन कर सकते हैं। पात्रता के मुख्य बिंदु निम्न हैं। आयु सीमा 18 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य। वर्ग होटल व्यवसायी, टूर-ट्रैवल ऑपरेटर, शोधार्थी, विद्यार्थी और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग।सुविधाएं चयनित प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहने और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। सहायक पर्यटन अधिकारी के अनुसार, इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को सोनभद्र की विरासत और गाइड करने की बारीकियों से अवगत कराना है। इससे पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा और जिले की ऐतिहासिक व प्राकृतिक धरोहरों की पहचान वैश्विक पटल पर और मजबूत होगी। यदि आप पर्यटन के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, तो इस निःशुल्क सरकारी प्रशिक्षण का लाभ उठाने के लिए 5 जनवरी तक अपना आवेदन अवश्य जमा करें।

भीषण ठंड में नगरकर्मियों के लिए राहत की पहल, नपाध्यक्ष विनय जायसवाल ने वितरित किए गर्म कपड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। भीषण ठंड के मौसम को देखते हुए नगरपालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल द्वारा जलकल भवन परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर की सेवा में जुटे कर्मियों के लिए राहतकारी पहल की गई। इस अवसर पर सफाई सेवक, लाइट कर्मी, जलकल कर्मी तथा प्रकाश व्यवस्था से जुड़े सभी आउटसोर्सिंग एवं अन्य कर्मचारियों को ठंड से बचाव के लिए इनर, मोजे, ट्रैक सूट, स्वेटर, कार्डिगन एवं दस्ताने वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि नगर की स्वच्छता, जलापूर्ति एवं प्रकाश व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में इन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भीषण ठंड में भी ये कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर नगरवासियों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराते हैं, ऐसे में उनका ध्यान रखना नगरपालिका परिषद की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में भविष्य में भी ऐसे कल्याणकारी कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। कर्मचारियों ने इस पहल के लिए नगरपालिका परिषद एवं अध्यक्ष विनय जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में इस प्रकार की सहायता से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन में सुविधा मिलती है और उनका मनोबल भी बढ़ता है।

कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अधिकारी संतराम सरोज, जलकल लिपिक अशोक गुप्ता, मनोज सिंह, घनश्याम यादव, अरुण सिंह, एडवोकेट अरविंद कुशवाहा, सुनील चौहान, अंशु जायसवाल, गौरव रौनियार, अभय मारोदिया, अनिल कुमार, कुंदन सिंह, मंथन सिंह, दिव्यांश शर्मा, अभय सिंह सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन का वातावरण सौहार्दपूर्ण रहा तथा कर्मचारियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

विकास का नया संकल्प हर गांव, हर राह होगी सुगम

ललितपुर। नव वर्ष के पावन अवसर पर जिले की प्रगति को नई रफ्तार देते हुए विकासखंड- महरौनी के ग्राम कुम्हैढी में चार महत्वपूर्ण विकास अभियानों का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी की पहल पर समस्त सार्वजनिक स्थलों विद्यालय, पंचायत भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, शमशान, आंगनबाड़ी, धार्मिक स्थलों को बारहमासी पहुँच मार्ग से जोड़ने हेतू मनरेगा एवं केन्द्रीय वित्त व राज्य वित्त से सम्पर्क मार्ग बनाये जाने हेतु विशेष अभियान के तहत राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ ने ग्राम कुम्हैढी में दो सम्पर्क मार्गो का विधिवत शुभारम्भ किया। तत्पश्चात राजस्व विभाग के अन्तर्गत असहाय गरीबों को कम्बल वितरित किये गये। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी आजम अली, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अरविन्द सिंह, प्रधान प्रकाश नारायण निरंजन, पंचायत सचिव भगवान दास निरंजन व रवि गोस्वामी, हृदेश कुमार अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी व ग्राम के संभ्रांत गण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश विदुआ पत्रकार ने किया।

चार दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पंचायत सहायकों की तकनीकी दक्षता और कार्यकुशलता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग की ओर से राष्ट्रीय ग्राम अभियान योजनांतर्गत चार दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण देवरिया स्थित उमा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में विकासखंड गौरीबाजार के पंचायत सहायक/एकाउंटेंट कम डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सतत विकास लक्ष्य, पंचायती राज व्यवस्था, ई-ग्राम स्वराज, पीएफएमएस तथा अन्य विभागीय पोर्टलों से जुड़े तकनीकी विषयों पर विशेष जोर दिया गया, ताकि ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति लाई जा सके। द्वितीय दिवस प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए उपनिदेशक हिमांशु शेखर ठाकुर ने कहा कि पंचायतें भारत के विकास की मजबूत नींव हैं और सहकारिता के माध्यम से गांवों में जीवन स्तर सुधारने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने पंचायत सहायकों से निष्पक्ष एवं ईमानदारी से सेवाएं देने तथा प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने का आह्वान किया।

डीपीआरसी सह प्रबंधक ब्रजेश नाथ तिवारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण से पंचायत सहायकों को पंचायती राज व्यवस्था और उससे जुड़े पोर्टलों की व्यावहारिक जानकारी मिलेगी, जिससे पंचायत सचिवालय की सेवाएं आम जनमानस तक प्रभावी रूप से पहुंच सकेंगी। प्रशिक्षक चेतन चौहान ने ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी), ई-मेल निर्माण, वर्ड व एक्सेल तथा ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर कार्य योजना अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर अजय पाण्डेय, दिनेश सहित अन्य वक्ताओं ने भी मार्गदर्शन किया।

सशक्त भारत के निर्माण में राष्ट्रीय एकजुटता सबसे बड़ी शक्ति-प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि वैभवशाली एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए राष्ट्रीय एकजुटता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होने कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में जिस तरीके से युद्ध के नाम पर निर्दोषों के साथ हिंसा हो रही है यह फौरन रूकनी चाहिए। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस समय मोदी सरकार संविधान के मूल ढ़ांचे के विपरीत लोगों के मताधिकार तक के संवैधानिक अधिकार के हनन पर अमादा है। गुरूवार को रामपुरखास के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय में ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यकर्ताओं से जुड़े संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होने कहा कि मौजूदा केन्द्र सरकार की नीतिगत खामियों के कारण इस समय राजकोषीय घाटा बढ़कर 9.76 लाख करोड़ तक पहुंचना चिन्ताजनक है। उन्होने ने कहा कि मोदी सरकार की चुप्पी के चलते पड़ोसी बांग्लादेश में लगातार हिन्दू, सिक्ख, बौद्ध अल्पसंख्यकों की हत्या हो रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा को रोकने के लिए केन्द्र सरकार को कड़ा हस्तक्षेप करना चाहिए। कार्यकर्ताओं से संवाद के तहत उन्होने रामपुरखास में विधायक आराधना मिश्रा मोना के द्वारा शुरू करायी गयी विकास परियोजनाओं को लेकर सजग भूमिका निभाये जाने को कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने स्वागत तथा ब्लाक प्रमुख इं. अमित सिंह पंकज ने आभार प्रदर्शन किया।

बिल लिपिक श्रीराम गिरी को मिली भावभीनी विदाई, जिलाधिकारी ने कार्यशैली की सराहना की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र- कलेक्ट्रेट सभागार में आज एक भावुक और गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी श्री बी.एन. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के बिल लिपिक श्री श्रीराम गिरी को उनकी सरकारी सेवा पूर्ण होने पर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने श्रीराम गिरी के कार्यकाल की जमकर प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रीराम गिरी का कार्यकाल अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा शासकीय सेवा में इन्हें जो भी जिम्मेदारियां सौंपी गई, उन्होंने उसका निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया। विशेष रूप से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के देयकों का समय से भुगतान सुनिश्चित करना उनकी कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है। जिलाधिकारी ने आगे कहा कि सेवानिवृत्ति एक सतत प्रक्रिया है। जिस दिन कोई व्यक्ति सेवा में आता है, उसी दिन उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि भी तय हो जाती है, फिर भी विदाई का क्षण हमेशा भावुक करने वाला होता है। समारोह के दौरान जिलाधिकारी ने श्रीराम गिरी को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह भेंट कर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। प्रशासन की ओर से उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान कलेक्ट्रेट के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी श्रीराम गिरी के साथ बिताए गए समय और उनके व्यवहार की सराहना की। विदाई समारोह में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश चन्द्र, डिप्टी कलेक्टर मुख्यालय प्रदीप कुमार यादव, डिप्टी कलेक्टर सुरेश कुमार राय और प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके व्यक्तित्व की सराहना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुरेश पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निजामूद्दीन, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, ई.डी.एम. दिव्यतोष मिश्रा, राजीव कुमार शुक्ला, ओ.एस.डी. राम अधार, उमानाथ पाण्डेय, अनन्त राम, अमूल्य वर्मा, नाजिर बाबू लाल, ओमकार यादव और मूरारी गिरी सहित भारी संख्या में कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपाइयों ने लोकबंधु राजनारायण की मनाई पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। समाजवादी विचारधारा के प्रखर प्रतीक लोकबंधु राजनारायण जी की पुण्यतिथि बुधवार को समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। प्रातः लगभग 11 बजे आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सपाजनों ने लोकबंधु राजनारायण जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि लोकबंधु राजनारायण जी न केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, बल्कि वे समाजवादी आंदोलन के ऐसे मजबूत स्तंभ थे, जिन्होंने सत्ता की निरंकुशता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। आचार्य नरेन्द्र देव और डॉ. राममनोहर लोहिया के निकट सहयोगी रहे लोकबंधु बड़े और संपन्न परिवार में जन्म लेने के बावजूद शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों के सच्चे हितैषी थे। उन्होंने बताया कि संघर्ष के दौरान लोकबंधु 58 बार जेल गए, लेकिन सत्ता के दबाव के आगे कभी नहीं झुके। श्री यादव ने कहा कि वर्तमान समय में देश एक बार फिर सत्ता के अहंकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण का साक्षी बन रहा है। ऐसे में लोकबंधु राजनारायण जी के विचार और संघर्ष आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में आदरणीय अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत कर लोकबंधु के सपनों को साकार करें। कार्यक्रम में राजवंशी राजभर, हृदयनारायण जायसवाल, चौधरी बेचूलाल, नित्यानंद तिवारी सहित बड़ी संख्या में सपाजन उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने चलाया प्रभावी अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। नववर्ष की पूर्व संध्या पर जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा एक के बाद एक प्रभावी अभियान चलाए गए। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में बुधवार को प्रातः 5 बजे से 8 बजे तक जिलेभर में 'मार्निंग वॉकर चेकिंग अभियान' चलाया गया। इस दौरान 23 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 418 व्यक्तियों और 226 वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने मॉर्निंग वॉक पर निकले नागरिकों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया और मित्र पुलिसिंग की भावना को सुदृढ़ किया। इसी क्रम में थाना श्रीरामपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार ले जाई जा रही 80 पेटी (720 लीटर) अवैध देशी शराब के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया। तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन और फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की गई, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 11 लाख रुपये बताई गई है। वहीं यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता को प्राथमिकता देते हुए मूक-बधिर नागरिकों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया तथा शहर के प्रमुख मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। नियमों का उल्लंघन करने पर 116 वाहनों का ई-चालान और चार वाहनों को सीज किया गया। लगातार अभियानों से पुलिस की सक्रियता और आमजन में बढ़ता विश्वास स्पष्ट नजर आया।